(छ) कला (3)

2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिन्दी विशिष्ट	0 0 1	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल

BOARD OF SECONDARY EDUCATION

क्रमांक: 320- 1676319

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	0	4	2	3	0	9	4	7	X

शब्दों में

दो	शुन्य	चार	दो	तीन	शुन्य	नौ	चार	सात	X

BOARD OF SECONDARY

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छ.	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 1 शब्दों में एक

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 6

ग :– परीक्षा का दिनांक 02 | 3 | 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा 422001

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
K. Johny Denial 02/2/20	Chaudhary

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
अजय कुशवाहा उच्च माध्यमिक शिक्षक (हिन्दी) शा.उत्कृष्ट उ.मा.वि.झाबुआ पंजी क्र.- 9510197 मोबाईल नं. - 9425...	एम.एस. डोडियार शा.उ... प...

नोट : ... परीक्षा में वाणिज्य संकाय के ...
प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वा...
100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के ...
एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची ...

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अं...
1		
7		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. 1 सही विकल्प चुनिये)

1) महादेवी वर्मा

2) कबीरदास

3) सुजान

4) बसंत गीत

पाडोन के जंगल मे

B S E

(प्रश्न क्र. 2 के रिक्त स्थान)

1) छायावाद

2) श्रीकृष्ण

3) जल शोषण

तीन

5) गणेश शंकर विद्यार्थी

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. 3 के सत्य / असत्य)

1) असत्य

2) सत्य

3) असत्य

4) असत्य

5) सत्य

BSE

(सही जोडी प्रश्न क्र. 4)

1)	सभी विपत्तियो को हरते हैं ->	गणेश जी
2)	व्यंग्य की प्रधानता	नई कविता
3)	मध्यम वर्गीय परिवार की समस्या	नये मेहमान
4)	कंस की बहन	देवकी
5)	गाय करुणा की कहानी है	महात्मा गांधी

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. 5 एक वाक्य मे उत्तर)

1) मथुरा से योग सिखाने उद्धव आए थे।

2) भय साध्य व असाध्य रूप में सामने आता

3) अन्योक्ति अलंकार

प्रयोगवाद का प्रारंभ 1943 से 1950 तक माना जा

बसंत हर्ष व उल्लास का भाव लेकर आया है

BSE

उ०- (प्रश्न क्र. 6 का अथवा)

[illegible] ने दही का दोना पिठ पिछे छिपा लिया था।

उ०- (प्रश्न क्र. 7 का उत्तर)

चातक पिहु-पिहु की आवाज से विरहणी [illegible] के विरह को और बढ़ा [illegible]। इसिलिए चातक को घातक [illegible] गया है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

=> (प्रश्न क्र. 8 का अथवा)

णिक आतंक से आशय थोड़े समय के लिए आए भय से है,

=> (प्रश्न क्र. 9 का उत्तर)

केवट के अनुसार श्री राम की पगधूरि में रूप परिवर्तन की क्षमता है पगधूरि के स्पर्श से शिला भी स्त्री बन जाती है,

B

S

E => (प्रश्न क्र. 10 का अथवा)

साँझ सवेरे भारत माता की आरती सूरज व चन्द्रमा उतार रहे हैं,

उ०- (प्रश्न क्र. 11 का उत्तर)

आर्थिक हानि के कारण व्यापारी व्यवसाय मे हाथ नहीं डालते,

=> (प्रश्न क्र. 12 का उत्तर)

रेवती के घर में हवा व प्रकाश की पर्याप्त सुविधा के भाव के कारण रेवती अपने घर को जेल खाना कहती है,

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. 13 का अथवा)

=> "मुझसे बड़ा तो मेरा नाम है"
लेखक ने इसलिए कहा क्योंकि जब भी वह पत्र-पत्रिकाओं में अपना नाम देखता है तो सोचता है की जहा मैं नही गया वहा मेरा नाम पहुच गया जिनसे मै नही मिला उनसे यह मिल चुका है बड़े-बड़े साहित्यकारो से इसने मेरा परिचय करवाया है बिना नाम बताए तो मेरे लेख छापने वाला ...टक भी मुझे उसके कक्ष मे न घुसने दे ... नाम ने कई स्थिति मे बिच में आकर मेरी रक्षा की है।

(प्रश्न क्र. 14 का उत्तर)

=> उत्तराखंड के चार धाम चार पवित्र नदियों के किनारे स्थित है जैसे गंगोतरी गंगा के किनारे-किनारे यमुनोतरी यमुना के किनारे केदारनाथ - मंदाकिनी किनारे तथा अलकनन्दा के किनारे पर ...नाथ धाम स्थित है।

(प्रश्न क्र. 15 का मुहावरे)

=> 1] आँखों पर पट्टी बांधना - अनदेखा करना

=> राधा रविना को जानते हुए भी आँखो पर पट्टी बांध लेती है।

B
S
E

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

(2) अधजल गगरी छलकत जाए = बुद्धिहिन व्यक्ति आडम्बर अधिक करता है।

मोहनबारबी फेल है किन्तु क्लेक्टर को सलाह देना चाहता है व उसकी बुराई बतारहा है।

(प्रश्न क्र. 16 उत्तर)

B S E

रौद्र रस परिभाषा ⇒ सहृदय के हृदय में स्थित क्रोध नामक स्थाई भाव का जब विभाव, अनुभव, व संचारी भाव के साथ संयोग होता है तो रौद्र रस की उत्पत्ति होती है।

उदाहरण -

श्री कृष्ण के सुन वचन, अर्जुन क्रोध से जलने लगे।
सब शोक अपना भुलकर, करतल युगल मलने लगे॥

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. 17 का अथवा)

=> माँ ने रामकुमार वर्मा को पढाई के संबंध में निर्देश देते हुए कहा था की 'कुमार पढाई में हमेशा प्रथम दर्जो का ध्यान रखना जैसे अर्जुन ने मछली की आख पर ध्यान था' इसी निर्देश को रामकुमार ने हमेशा ध्यान मे रखा। तथा कभी अनुत्तीर्ण नही हुए, उन्होने ...A तक की परिक्षा प्रथम श्रेणी मे उतीर्ण की थी।

B
S
E

(प्रश्न क्र. 18 भाव विस्तार-अथवा)

=> **राष्ट्र भाषा** - जब कोई भाषा इतना अधिक महत्व प्राप्त कर लेती है कि उसका प्रयोग राष्ट्र के भाषा क्षेत्र में भी किया जाने लगे तो उसे राष्ट्र भाषा कहा जाता है राष्ट्र भाषा को अंग्रेजी मे Natinal Language भी कहते है। भारत की राष्ट्र भाषा हिन्दी है।

दो विशेषताए - (1) राष्ट्रभाषा सम्पुर्ण राष्ट्र की संपर्क भाषा होती है इसका प्रभाव पुरे राष्ट्र मे होता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) राष्ट्र भाषा देश की संस्कृति व साहित्य से जुडी होती है ।

राष्ट्र भाषा बहुसंख्यकों की भाषा होती है ।

(प्रश्न क्र. 19 का उत्तर)

→) श्लेष अलंकार -

श्लेष का अर्थ है चिपकना या चिपका हुआ, काव्य मे जहा एक ही शब्द के एक से अधिक अर्थ निकलते है तो उसे श्लेष अलंकार कहा जाता है ।

श्लेष उदाहरण -

घड़ी गुम गई, लगी किसी के हाथ ।
चैन भी जाती रही, उसी घड़ी के साथ ॥

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. 20 अथवा)

	रहस्यवाद	छायावाद
1)	रहस्यवाद में चिंतन की प्रधानता होती है,	छायावाद में कल्पना की प्रधानता होती है,
2)	रहस्यवाद में ज्ञान व बुद्धि की प्रधानता होती है,	छायावाद में भावनाओं की प्रधानता होती है,
3)	रहस्यवाद की प्रकृति दार्शनिक होती है,	छायावाद की प्रकृति मुलक होती है,
4)	रहस्यवाद का मुख्य विषय ईश्वरी प्रेम का प्रतिपादन करना होता है,	छायावाद का मुख्य विषय प्रकृति चित्रण होता है,

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. 21 अथवा)

B
S
E

	नाटक	एकांकी
1)	नाटक मे एक मुख्य कथा के साथ - साथ अन्य गोण कथाए भी होती है	एकांकी मे एक ही मुख्य कथा होती है,
2)	नाटक में अनेक अंग व कार्य व्यापार होते हैं,	एकांकी में एक अंग व एक ही कार्य व्यापार होता है,
3)	नाटक में पात्रों की संख्या अधिक होती है,	एकांकी में पात्रो की संख्या कम होती है,
4)	नाटक विस्तृत होती है,	एकांकी संक्षिप्त होती है,
5)	नाटक में मानव जीवन का रोचक व कौतुहलमय वर्णन किया जाता है,	एकांकी का प्राण तत्व - संघर्ष है,
	जयशंकर प्रसाद - चन्द्रगुप्त	उदयशंकर भट्ट - नए मेहमान

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

BSE

प्रश्न क्र. 23 का लेखक परिचय

(आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

(1) दो रचनाए - (1) हिन्दी साहित्य का इतिहास
(2) हिन्दी काव्य में रहस्यवाद

(2) भाषा - शुक्ल जी का भावो पर जबरदस्त अधिकार था उनकी भाषा परिष्कृत, प्रौढ़ व साहित्यिक खड़ी बोली है आपकी रचनाओ मे संस्कृत निष्ट शब्दावली का भी प्रयोग किया गया है साथ ही उर्दु व फारसी भाषा का भी उपयोग मिलता है आके भावो के अनुसार शब्दो व विषय का प्रतिपादन व्यवस्थित किया गया है उनकी भाषा में शब्द आडम्बर नहीं है। शुक्ल जी एक शब्द भी व्यर्थ नही लिखते, उनकी भाषा मे सरल सरज व प्राजलता है, शरद जी की रचनाओ में मर्यादित हास्य व्यंग्य मिलता है,

शैली - शुक्ल जी ने उनकी रचनाओं मे समीक्षात्मक विचारात्मक आलोचनात्मक सूत्रात्मक व विश्लेषनात्मक शैली का प्रयोग किया है, उनकी रचानाए समास शैली से प्रारम्भ होकर व्यास शैली मे समाप्त

प्रश्न क्र.

होती है उनकी रचनाओ मे सुत्रात्मक शैली का विशेष प्रयोग किया गया है, शुक्ल जी एक विचार को सुत्र रुप मे रखकर उसकी व्याख्या करते है तथा आवश्यकता पड़ने पर उपयुक्त उदाहरण भी देते है।

(4) साहित्य मे स्थान -

शुक्ल जी आलोचक व व्यंग्कार के रुप मे सदैव स्मर्णिय रहेगे आपने हिन्दी साहित्य को कई शास्त्रिरितिबद्ध रचनाऐं प्रदान कि है जिस्से साहित्य जगत आपका रीणि हो चुका है आपके साहित्य मे इस विशिष्ट योगदान के कारण आपके समकालीन काल को शुक्ल युग कहा गया है।

[दिशा दिप्त हो उठी,

यह पुण्य प्रकाश तुम्हारा।

अमित स्वर्णिम अक्षरो मे,

लिखा जा चुका इतिहास तुम्हारा ॥]

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 22 (कवि परिचय)

(जय शंकर प्रसाद)

① दो रचनाएँ - ① कामायनी
② आँसू

② भाव पक्ष - आपकी भक्ति भावना अन्त करण से स्फुर्त है आपने नये नये प्रतिको व बिम्बो के माध्यम से अपने भावो के अभिव्यक्त किया है काव्य की मार्मिकता कला की अभिव्यंजना को प्रदर्शित करती है, अनुभुति की गहनता काव्य की श्रेष्ठता को प्रदर्शित करती है। आपकी रचनाओं मे प्रवाह रूप मिलता है।

③ कला पक्ष - आपकी काव्य में प्रवाह व उत्तेजना के स्वर विद्यमान हैं काव्य में अनुप्रास, रूपक कई अलंकारो का प्रयोग किया गया है आपका छंद विधान सुन्दर है भाषा खड़ी बोली व सरल साधारण भाषा का प्रयोग किया है, रस वियोग श्रंगार पर विशेष ध्यान दिया गया। काव्य मे पुनरुक्ति अलंकार को भी विशेष महत्व दिया गया है।

B
S
E

योग पूव पृष्ठ [ ] = अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

(५) साहित्य में स्थान -

आपकी समस्त रचनाए शस्त्रिशिक्ष है आपने हिन्दी साहित्य को अनेक अमर रचनाए प्रदान की है जिससे साहित्य जगत आपका ऋणी हो गया है हिन्दी साहित्य मे आपका विशिष्ट योगदान के कारण आपका स्थान उच्च है आपकी रचनाए सदैव हमे मार्गदर्शन प्रदान करती रहेगी।

[दिशा दिप्त हो उठी,
पढ़ पुण्य प्रकाश तुम्हारा।
अमित स्वर्णिम अक्षरो मे,
लिखा जा चुका इतिहास हमारा ॥]

प्रश्न क्र. 26 का गद्यांश उत्तर -

① (उत्तर अ) → गद्यांश शीर्षक → कर्मठता

② (उत्तर ब) → जो कुछ ठोस परिणाम देता है वही सही श्रम है।

③ (उत्तर स) →

सारांश - कर्मठता को विशेष महत्व दिया गया है देश में कर्मठता का जितना प्रतिशत होगा उसी के अनुसार देश प्रगति व उन्नति करेगा।

शिक्षा का उद्देश्य देश में कर्मठ जनों के प्रतिशत को बढ़ाना है।

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 24 (पद्यांश)

(1) माटी कहै कुम्हार ---- कछु न आपा हाथ ॥

(1) संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक स्वाति के नीति काव्य के अमृतवाणी से लिया गया है इसके ~~रचियत कवि~~ - कबिरदास जी है।

(2) प्रसंग - माटी कुम्हार को अपने भाव बताती है की शरीर पाँच तत्व का है व मिट्टी में ही मिल जाएगा।

(3) व्याख्या - कबिर दास कहते है की मिट्टी कुम्हार को कह रही है की कुम्हार तु मुझे आज रौंद रहा है किन्तु याद रख एक दिन आएगा जब मैं भी इसी तरह तुझे रोंदुगी क्योंकि मानव शरीर पाँच तत्व से बना है व मृत्यु के पश्चात मिट्टी में ही मिल जाता है शरीर को कच्चे घडे के समान बताया है इसी कच्चे घडे पर पानी गिरने से यह फुट जाएगा तथा हमारे हाथ मे कुछ नही बचता है।

(4) विशेष (1) कबीर के पदो मे लाक्षणिकता है।

(2) मानव जीवन की सार्थकता को बताया गया है।

(3) अनुप्रास अलंकार व तत्सम शब्दावली का प्रयोग किया गया।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. 25 गद्यांश)

(०. यह संसार क्षणभंगुर - - - - - तू किस लिए व्यथा सह रही है)

(1) **संदर्भ** - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक स्वाति के खेल कहानी से लिया गया है इसके लेखक जैनेन्द्र कुमार हैं।

(2) **प्रसंग** - इस गद्यांश में सांसारीक क्षणभंगुरता को बताया गया है तथा दुख व सुख के सम्बन्ध बताए गए हैं।

(3) **व्याख्या** - लेखक के अनुसार यह संसार क्षणभंगुर है जीवन मे दुख व सुख का मिश्रण है। संसार एक जल के बुद के समान है जो फुट कर पुनः जल मे ही परिवर्तित हो जाता है तथा फुटने पर ही उनका महत्व और बड जाता है। सुरबाला को समझाया जाता है की इस तू समझ जा जो जन्मा है उसकी मृत्यु निश्चित है। इसी लिए भाड के नष्ट होने पर सुरबाला को व्यर्थ में व्यथा व दुखी होने की आवश्यकता नही है।

(4) **विशेष** - (1) जीवन को दुख व सुख का मिश्रण बताया गया है।
(2) संस्कृत के तत्सम शब्दो का प्रयोग हुआ है। भाषा प्रांजल है व
(3) सुरबाला छोटी 7 वर्ष की बच्ची को सांतवना दी जा रही है।

B
S
E

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. 27) (आवेदन पत्र)

⇒ श्रीमान सचिव महोदय
माध्यमिक शिक्षा मण्डल,
भोपाल

विषय - अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्गणना हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

नम्र निवेदन है कि मैं कक्षा 12 वी की छात्रा हूँ। तथा बोर्ड के सभी परिक्षाओं में मुझे अच्छे अंक प्राप्त हुए हैं तथा मुझे अंग्रेजी में भी पूरी उम्मीद थी कि अंग्रेजी में उच्च नम्बरो के साथ उत्तीर्ण होऊंगी। किन्तु अंक सूची आ चुकी है ऐसा नहीं हुआ, अतः मैं अंग्रेजी विषय की उत्तर-पुस्तिकाओं के अंकपुनर्गणना करने हेतु प्रार्थना करती हू।

अतः मेरे आवेदन पर विशेष ध्यान दिया जाए।

धन्यवाद

नाम - अ.ब.स
कक्षा - 12 वी
स्कूल - शा. क. मा. विद्यालय
दिनांक - 02-3-2020.

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 28 का (ब)

रूपरेखा

"जल ही जीवन है"

"रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सुन"

रूपरेखा

1. प्रस्तावना
2. जल का मानव जीवन में महत्व
3. जल के उपयोगी क्षेत्र -
   - (3.1) कृषि क्षेत्र
   - (3.2) औद्योगिक क्षेत्र
   - (3.3) सफाई कार्य
   - (3.4) दैनिक कार्य
4. जल मानव जीवन का आधार
5. जल प्रदूषण के कारण
6. जल संरक्षण के उपाय
7. उपसंहार

"जल ही जीवन है"

"जल से जीवन, जल से पोषण
जल जीवन का दाता है।
जल संग्रहण करले मानव,
जल भविष्य निर्माता है॥"

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD

(प्रश्न क्र. 28 (अ) निबंध

विज्ञान और मानव जीवन

रूपरेखा

1. प्रस्तावना
2. विज्ञान का जीवन मे महत्व
3. विज्ञान के उपयोगी क्षेत्र -
   - (3.1) कृषि क्षेत्र
   - (3.2) उद्योग क्षेत्र
   - (3.3) औषधि के क्षेत्र
4. विज्ञान से लाभ
5. विज्ञान की देन - (कम्प्यूटर, टेलीविजन)
6. विज्ञान के अभिशाप
7. विज्ञान की आवश्यकता
8. उपसंहार

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

सुबह से शाम
शाम से सुबह
विज्ञान ने मानव जीवन को
— सुखद बनाया है —

① प्रस्तावना → विज्ञान मानव जीवन का आधार माना जा सकता है विज्ञान ने मानव को आसमान मे पक्षी की तरह उडना चिते की तरह दोडना व मछली की तरह जल मे तेरना सिखाया है। आज का मानव आँधी बनकर उड सकता है। तथा तारो, ग्रह नक्षत्रो से बाते करता है। विज्ञान के बिना मानव प्रगति संभव नही है।

② विज्ञान का जीवन मे महत्व — विज्ञान ने मानव की समस्याओ को दुर कर दिया है कठिन से कठिन कार्य को कम्पुटर व मशिनो जैसी वैज्ञानिक तकनिको के प्रयोग से दुर किया जाता है जीवन के दैनिक कार्यो मे मनुष्य प्रत्येक क्षेत्र मे विज्ञान से घिरा हुआ है। विज्ञान हमारे चारो ओर देखा व प्रयोग मे लिया जाता है।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

[हे विष्णु जैसा पालक, शिव जैसा सहारक ।
पुजा इसकी शुद्ध भाव से, करो आज से अराधक ॥]

(3) विज्ञान के उपयोगी क्षेत्र - मानव के दैनिक जीवन मे विज्ञान लगभग सभी क्षेत्र मे आसन जमाए बैठा है कई क्षेत्रो मे इसका प्रयोग किया जाता है जैसे - कृषि के विकास मे औद्योगो के विस्तार मे व दैनिक क्रियाओं मे उपयोगी है ।

(3.1) कृषि क्षेत्र मे उपयोग - विज्ञान के द्वारा कृषि करने के नविन वैज्ञानिक हल प्रदान किए हैं नई मशिनो का आविष्कार किया उत्तम बिजो हेतु रसायनिक पदार्थों को जन्म दिया है ।

(3.2) औद्योगिकरण - विज्ञान ने मानव को विज्ञान से परिचित मशिनो को प्रदान किया जो सरलता पुर्वक उपयोग कि जा सक्ती है तथा औद्योगिकरण का विकास किया ।

(3.3) औषधियो के क्षेत्र - विज्ञान ने नविन खतरनाक बिमारीयो के लिए नई-नई औषधियो का आविष्कार किया हैं कम्प्युटर पर प्राप्त है ।

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

सुबह

आज का युग विज्ञान का युग है इसके बिना मानव विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है।

(4) विज्ञान से लाभ - विज्ञान ने हमे कई वस्तुए प्रदान की है जो मानव जीवन मे बहुत उपयोगी है विज्ञान के बिना मानव अस्तित्व कुछ नही है व कल्पना नही की जा सकती है।

(5) विज्ञान की देन - विज्ञान ने हमे इलेक्ट्रीसिटी, यातायात साधन टेलिविजन कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन जैसे विशेष हथियार प्रदान किए है यही जीवन का विकास करेगे।

विज्ञान मानव के लिए प्रकृति व मानव का मिश्रण परिणाम है।

BSE

(1)

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा दिनांक
हिन्दी	0 0 1 6	02 3 2020

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक: 120 - 1897907

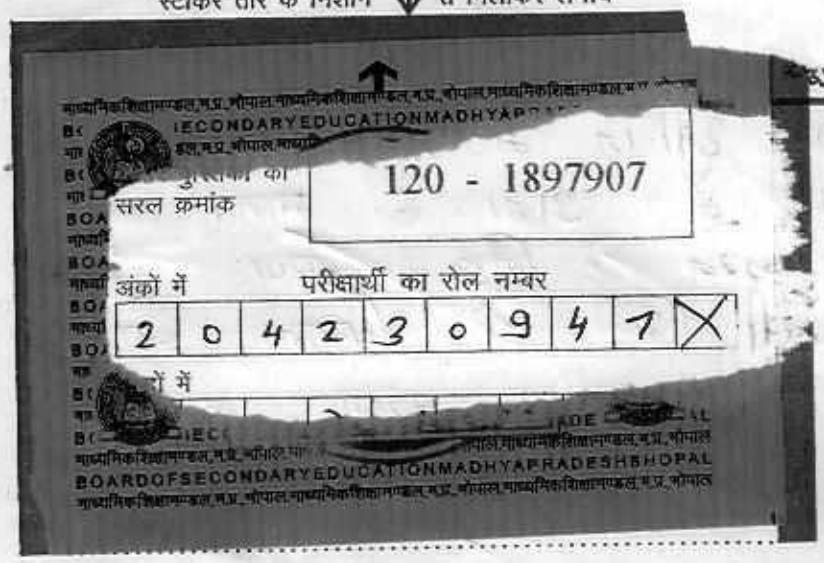

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2	0	4	2	3	0	9	4	7	X

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

बोर्ड परीक्षा 422661

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

02/3/20

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक .... तक कुल प्राप्तांक [ ] + [ ] = [ ]

दूर तारो से किया सम्पर्क,
पर पडोसियो से न हस बोल पाए,
असल जीवन से रहा न नाता,
इन बातियों को मोल ले आए।

(7) विज्ञान के अभिशाप ⇒ जिस प्रकार विज्ञान हमारे लिए इतना उपयोगी है इसे कई दुष्परिणाम भी है जो बहुत खतरनाक है अड्टम बम मिसाल भी विज्ञान की देन है जो की मानव जीवन को नष्ट करने का कारण है।

के अंकों का योग

(8) उपसंहार -

मानव जीवन मे जितना विज्ञान महत्वपुर्ण है उतना ही मानव को नष्ट करने के लिए कारण भी है इसी लिए हमे विज्ञान को सावधानी पुर्वक प्रयोग करने चाहिए।